GDI

Global Disinformation Index

# मीडिया बाजार जोखिम रेटिंग: भारत

www.disinformationindex.org

**प्रमुख लेखक:** तोर्शा सरकार, प्रणव एम बिदारे, और गुरशाबाद ग्रोवर

**शोधकर्ता:** तोर्शा सरकार, प्रणव एम बिदारे, और मेघा मिश्रा

**विशेष धन्यवाद:** अन्ना लिज़ थॉमस, सनाह जावेद, सग्निक चटर्जी, और राघव आहूजा को उनकी सहयोग के लिए धन्यवाद।

**अनुवादक:** राजेश रंजन, प्रिया जैन, कुन्दन कुमार चौधरी

**डिज़ाइन:** www.designbythink.co.za

**ग्लोबल डिसइनफॉर्मेशन इंडेक्स** यूके स्थित एक गैर-लाभकारी संस्था है जो तटस्थता, स्वतंत्रता और पारदर्शिता के तीन सिद्धांतों पर काम करती है। हमारी दृष्टि एक ऐसी दुनिया कि है जिसमें हम मीडिया में जो देखते हैं उस पर भरोसा कर सकते हैं। हमारा मिशन ग्लोबल डिसइनफॉर्मेशन इंडेक्स (जीडीआई) के माध्यम से दुनिया की मीडिया वेबसाइटों की रीयल-टाइम स्वचालित जोखिम रेटिंग प्रदान करके मीडिया में विश्वास बहाल करना है। जीडीआई गैर-राजनीतिक है। हमारे सलाहकार पैनल में दुष्प्रचार, सूचकांक और प्रौद्योगिकी के अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल हैं। अधिक जानकारी के लिए www.disinformationindex.org देखें।

**सेंटर फॉर इंटरनेट एंड सोसाइटी** (सीआईएस) भारत में एक गैर-लाभकारी संगठन है जो नीतिगत एवं अकादमिक दृष्टिकोण से इंटरनेट और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर अन्तर्विषयी शोध करता है। अधिक जानकारी के लिए: https://cis-india.org देखें।

GDI Global Disinformation Index

THE CENTRE FOR internet & society

जुलाई 2021। क्रिएटिव कॉमन्स लाइसेंस के तहत प्रकाशित (CC BY-NC-SA 4.0)

# विषय-सूची


| | |
|---|---|
| **प्रस्तावना** | **4** |
| **परिचय** | **6** |
| **भारतीय मीडिया बाजार:** प्रमुख विशेषताएँ और दायरा | **9** |
| **दुष्प्रचार जोखिम रेटिंग** | **11** |
| **निष्कर्ष** | **19** |
| **परिशिष्ट:** कार्यप्रणाली | **20** |
| **सन्दर्भ-सूची** | **23** |

# प्रस्तावना

**वेब के आविष्कार के बाद से, हम अपने जीवन कैसे जीते हैं एवं हमारा ऑनलाइन और ऑफलाइन जीवन कैसे रहता है— इसके तौर-तरीकों में अनगिनत तरीके से बदलाव आया है। इसमें यह भी शामिल है कि समाचार कैसे वित्त पोषित, उत्पादित, एवं देखा और साझा किया जाता है।**

समाचार उद्योग में इन बदलावों के साथ जोखिम आया है। दुष्प्रचार उनमें से एक है। दुष्प्रचार का उपयोग 'लोगों के प्रभाव' को हथियार बनाने और प्रोपगेंडा फैलाने के एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल किया गया है। कोविड महामारी के दौरान, दुष्प्रचार ने सार्वजनिक स्वास्थ्य, सुरक्षा और सरकारी प्रतिक्रियाओं को कमजोर करने वाली एक सूचना-महामारी पैदा कर दी है। कोई भी देश या मीडिया- बाजार इन खतरों से अछूता नहीं है। दुष्प्रचार से लड़ने के लिए, हमें इस व्यवस्था और इसकी फंडिंग को बाधित करने के तरीके खोजने होंगे। यहीं पर ग्लोबल डिसइनफॉर्मेशन इंडेक्स (GDI) ने अपना ध्यान केंद्रित किया है।

जीडीआई में, हम मानते हैं कि समाचार साइटों के दुष्प्रचार को मापने के लिए एक स्वतंत्र, विश्वसनीय और तटस्थ जोखिम रेटिंग की आवश्यकता है। इन जोखिम रेटिंगों का उपयोग विज्ञापनदाताओं और विज्ञापन तकनीकी कंपनियों द्वारा यह सुनिश्चित करने के लिए किया जा सकता है कि वे अपने ऑनलाइन विज्ञापन खर्च को कहाँ निर्देशित करें जो उनकी अपनी ब्रांड सुरक्षा और दुष्प्रचार के लिए जोखिम कम करने की रणनीतियों के अनुरूप हो। जीडीआई का शोध एक समाचार डोमेन के दुष्प्रचार के जोखिम के बारे में एक विश्वसनीय और तटस्थ मूल्यांकन प्रदान करता है। सामग्री, संचालन और संदर्भ सूचकांकों को देखकर, जीडीआई एक समाचार वेबसाइट के ऑनलाइन उपयोगकर्ता को भ्रामक सूचना देने के जोखिम के बारे में एक डोमेन-स्तरीय रेटिंग प्रदान करता है।

निम्नलिखित रिपोर्ट भारत में अक्सर देखी जाने वाली कुछ मीडिया साइटों के लिए जीडीआई जोखिम रेटिंग पद्धति को लागू करने के परिणाम को प्रस्तुत करती है। इस शोध के सैंपल में बंगाली, अंग्रेजी और/या हिंदी में प्रकाशित समाचार साइटें शामिल हैं। कुल मिलाकर हमने 56 साइटों का आकलन किया। इस देश को इसके आकार, इसकी दोनों सांस्कृतिक और भाषाई विविधता, एवं अतीत में देखी गई दुष्प्रचार और गलत सूचना के समग्र जोखिमों के कारण चुना गया था। मूल्यांकन और रिपोर्ट सेंटर फॉर इंटरनेट एंड सोसाइटी इन इंडिया (सीआईएस) के साथ साझेदारी में की गई थी।

**तालिका 1.** भारत में मूल्यांकन की गई मीडिया साइटें (वर्णमाला क्रम में)

| समाचार आउटलेट | डोमेन | समाचार आउटलेट | डोमेन |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | www.amarujala.com | दैनिक जागरण | www.jagran.com |
| आनंदबाजार पत्रिका | www.anandabazar.com | दैनिक भास्कर | www.bhaskar.com |
| इंडिया.कॉम न्यूज़ | www.india.com | न्यू इंडियन एक्सप्रेस | www.newindianexpress.com |
| इंडिया टीवी न्यूज | www.indiatvnews.com | न्यूज़18 | www.news18.com |
| इंडिया टुडे | www.indiatoday.in | न्यूज़ट्रैक | www.newstracklive.com |
| इंडिया राग | indiarag.in | न्यूज़ट्रेंड | www.newstrend.news |
| ईसमय इंडिया टाइम्स | eisamay.indiatimes.com | पत्रिका | www.patrika.com |
| एनडीटीवी | www.ndtv.com | पंजाब केसरी | www.punjabkesari.in |
| एबीपी लाइव | news.abplive.com/live-tv | फर्स्ट पोस्ट | www.firstpost.com |
| एशियानेट न्यूज़ेबल | newsable.asianetnews.com | बिजनेस इनसाइडर इंडिया | www.businessinsider.in |
| ओपइंडिया | www.opindia.com | बिजनेस टुडे | www.businesstoday.in |
| कलकत्ता न्यूज़ | calcuttanews.tv | बिजनेस स्टैंडर्ड | www.business-standard.com |
| कोलकाता24x7 | www.kolkata24x7.com | मनोरमा ऑनलाइन | www.manoramaonline.com |
| गल्ट | www.gulte.com | मातृभूमि | www.mathrubhumi.com |
| जनसत्ता | www.jansatta.com | मिन्ट | www.livemint.com |
| ज़ी न्यूज़ | zeenews.india.com | मीडियानाम | www.medianama.com |
| टाइम्स ऑफ इंडिया | timesofindia.indiatimes.com | रिपब्लिक वर्ल्ड | www.republicworld.com |
| टाइम्स नाउ | www.timesnownews.com | रेडिफ | www.rediff.com |
| ट्रिब्यून इंडिया | www.tribuneindia.com | वर्तमान पत्रिका | bartamanpatrika.com |
| डेक्कन हेराल्ड | www.deccanherald.com | वनइंडिया | www.oneindia.com |
| द इकोनॉमिक टाइम्स | economictimes.indiatimes.com | वेबदुनिया | hindi.webdunia.com |
| द इंडियन एक्सप्रेस | indianexpress.com | स्क्रॉल | scroll.in |
| द प्रिन्ट | theprint.in | स्वराज्य | swarajyamag.com |
| द फाइनेंशियल एक्सप्रेस | www.financialexpress.com | साक्षीपोस्ट | english.sakshi.com |
| द वायर | thewire.in | संवाद प्रतिदिन | www.sangbadpratidin.in |
| द स्टेट्समैन | www.thestatesman.com | हिंदनाओ | hindnow.com |
| द हिन्दू | www.thehindu.com | हिंदुस्तान | www.livehindustan.com |
| द हिंदू बिजनेस लाइन | www.thehindubusinessline.com | हिंदुस्तान टाइम्स | www.hindustantimes.com |

# परिचय

**दुष्प्रचार [i]के नुकसान पूरी दुनिया में फैल रहे हैं यह हमारे चुनावों, हमारे स्वास्थ्य, और तथ्यों की हमारी साझा भावना के लिए खतरा है। कोविड-19 साजिश के सिद्धांतों द्वारा निकाले गए भ्रामक सूचनाओं से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि गलत सूचनाओं से लोगों की जान चली जाती है। समाचार आउटलेट के रूप में दिखने वाली वेबसाइटें इस स्थिति से आर्थिक रूप से लाभ उठा रही हैं।**

वैश्विक दुष्प्रचार सूचकांक (जीडीआई) का लक्ष्य समाचार आउटलेट्स के राजस्व स्रोतों को कम करना है जो दुष्प्रचार के प्रसार को प्रोत्साहित करते हैं और उसे बनाए रखते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मानवीय समझ दोनों का उपयोग करते हुए, जीडीआई ने समाचार डोमेन [ii]के दुष्प्रचार जोखिम को रेट करने के लिए एक मूल्यांकन ढांचा तैयार किया है।

जीडीआई जोखिम रेटिंग, विज्ञापनदाताओं, विज्ञापन तकनीकी कंपनियों, और प्लेटफ़ॉर्म को वेबसाइट की **सामग्री** (यानी सामग्री की विश्वसनीयता), **संचालन** (यानी संचालन और संपादकीय सत्यनिष्ठा) और **संदर्भ** (यानी ब्रांड विश्वशनीयता की धारणा) से संबंधित कई प्रकार के दुष्प्रचार-चिन्हों के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करती है; (चित्र 1 देखें)। इस रिपोर्ट के निष्कर्ष इन तीन स्तंभों की मानवीय समीक्षा पर आधारित हैं: सामग्री, संचालन और संदर्भ।[iii]

किसी साइट का दुष्प्रचार जोखिम स्तर सभी समीक्षा किए गए स्तंभों और सूचकांकों में वेबसाइट के कुल स्कोर पर आधारित होता है। एक साइट का कुल स्कोर शून्य (अधिकतम जोखिम स्तर) से लेकर 100 (न्यूनतम जोखिम स्तर) तक होता है। शोध संरचना में शामिल प्रत्येक संकेतक को शून्य से 100 तक स्कोर किया जाता है। इसलिए सूचकांक का आउटपुट वेबसाइट की सत्यता या पत्रकारिता की गुणवत्ता के बजाय साइट का समग्र दुष्प्रचार जोखिम स्तर है।

**चित्रालेख 1.** जीडीआई दुष्प्रचार जोखिम मूल्यांकन का अवलोकन

**मानव समीक्षा**

**सामग्री**
- विश्वसनीयता, सनसनीखेज, अभद्र भाषा और निष्पक्षता के लिए प्रकाशित लेखों का मूल्यांकन
- मूल्यांकन किया गया, विश्लेषकों और अवलोकन योग्य डेटा द्वारा

**संचालन**
- डोमेन और देश-स्तरीय नीतियों एवं सुरक्षा उपायों का आकलन
- जर्नलिज्म ट्रस्ट इनिशिएटिव पर आधारित
- मूल्यांकन किया गया, विश्लेषकों और अवलोकन योग्य डेटा द्वारा

**संदर्भ**
- समाचार डोमेन की विश्वसनीयता और स्थायित्वता की समग्र धारणाओं का आकलन
- ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं और डेटा की समझ द्वारा मूल्यांकन किया गया

**निम्नलिखित रिपोर्ट:** यह रिपोर्ट भारत में मीडिया बाजार के लिए दुष्प्रचार जोखिम, से संबंधित निष्कर्ष प्रस्तुत करती है। यह रिपोर्ट 56 समाचार डोमेन (बंगाली, अंग्रेजी और/या हिंदी) के अध्ययन पर आधारित है।[iv] यह डेटा इन वेबसाइटों द्वारा दुष्प्रचार जोखिमों [v]को कम करने के लिए उनकी कुल शक्तियों और, सामना किये गए चुनौतियों का शुरूआती झलक प्रदान करता है।

ये सभी निष्कर्ष जीडीआई के नेतृत्व में, एवं सेंटर फॉर इंटरनेट एंड सोसाइटी के साथ मई 2020 से मार्च 2021 [vi]के बीच किए गए शोध से प्राप्त किये गए हैं। बाजार विश्लेषण 15 दुष्प्रचार-चिन्हों पर आधारित है, जिनका मूल्यांकन भारत के लिए सेंटर फॉर इंटरनेट एंड सोसाइटी के शोधकर्ताओं और एक स्वतंत्र धारणा सर्वेक्षण [vii]द्वारा किया गया था।

यह रिपोर्ट बाजार सैंपल के लिए औसत स्कोर प्रस्तुत करती है। ऐसी साइटें जिन्होंने इन तीन स्तंभों (सामग्री, संचालन और संदर्भ) में से किसी एक स्तंभ पर 90 से ऊपर स्कोर किया है उन्हें इस रिपोर्ट [viii]में दर्ज किया गया है। भारत के मामले में, इसमें द फाइनेंशियल एक्सप्रेस और संगबाद प्रतिदिन शामिल है, जिसका सामग्री स्तंभ के स्तर पर सबसे अच्छा स्कोर था। इस स्तर तक कोई साइट नहीं पहुंची, संचालन या सन्दर्भों के पैमाने पर, इन क्षेत्रों में बाजार का विस्तार न होना उनके पिछड़ने का कारण है।

**जीडीआई जोखिम रेटिंग पद्धति सत्य और झूठ की पहचान करने का प्रयास नहीं है। यह किसी भी साइट को एक दुष्प्रचारक साइट या, इसके विपरीत, एक विश्वसनीय समाचार साइट के रूप में दर्जा नहीं देता है। बल्कि, हमारा दृष्टिकोण इस विचार पर आधारित है कि कई संकेतों को एक साथ देखते हुए, किसी साइट पर दुष्प्रचार करने के जोखिम का स्तर क्या हैं?**

भारतीय मीडिया बाजार एवं इसके समग्र स्तर में दुष्प्रचार जोखिम के स्कोर को प्रारंभिक अंतर्दृष्टि प्रदान करने के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके परिणाम और समाचार साइटों के साथ-साथ शोधन, विज्ञापनदाताओं और विज्ञापन तकनीक उद्योग सहित सभी हितधारकों के साथ बहस के लिए खुले हैं। (इस रिपोर्ट [ix]का परिशिष्ट मूल्यांकन ढांचे की रूपरेखा तैयार करती है)। हम इस जुड़ाव की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

# **मुख्य निष्कर्ष:** भारत

भारत में की गई मीडिया परिदृश्य की समीक्षा के मूल्यांकन में पाया गया कि:

***हमारे सैंपल में लगभग एक तिहाई साइटों में अपने ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं को भ्रामक सूचना देने का जोखिम ज्यादा है।***

- अठारह वेबसाइटों को दुष्प्रचार जोखिम रेटिंग में उच्च स्तर पर पाया गया। इस समूह में सभी तीन भाषाओं में प्रकाशित होने वाली हमारे दायरे में: अंग्रेजी, हिंदी और बंगाली वेबसाइटें शामिल हैं।
- हमारे सैंपल में लगभग आधी वेबसाइटों की 'मध्यम' जोखिम रेटिंग थी। कोई भी साइट सभी पैमानों पर असाधारण रूप से प्रदर्शन नहीं की, जिसके परिणामस्वरूप न्यूनतम जोखिम रेटिंग वाली एक भी साइटें नहीं है। पर दूसरी ओर, किसी भी साइट ने इतना खराब प्रदर्शन भी नहीं जिससे कि वे अधिकतम जोखिम रेटिंग अर्जित करें।

***केवल सीमित संख्या में भारतीय साइटें मौजूद हैं जिनमें दुष्प्रचार -जोखिम का स्तर कम है।***

- किसी भी वेबसाइट को 'न्यूनतम' दुष्प्रचार जोखिम वाले वेबसाइट के रूप में दर्जा नहीं दिया गया था।
- आठ साइटों को दुष्प्रचार जोखिम के 'निम्न' स्तर के साथ रेट किया गया था। इन वेबसाइटों में से सात ने मुख्य रूप से अंग्रेजी और हिंदी में अपने सामग्री प्रकाशित किये थे।

***भारत में मूल्यांकन की गई मीडिया वेबसाइटें प्रकाशन पारदर्शी संचालन नियंत्रण एवं संतुलन के पैमाने पर बहुत खराब प्रदर्शन करती हैं।***

- हमारे सैम्पल की एक तिहाई से अधिक साइटों ने अपनी स्वामित्व संरचना के बारे में बहुत कम जानकारी प्रकाशित की, और अपने राजस्व स्रोतों के बारे में पारदर्शी होने में भी विफल रही।
- हमारे सैंपल में केवल दस साइटों ने अपनी नीतियों के बारे में प्रकाशित किया है कि, वे अपनी रिपोर्टिंग में हुई त्रुटियों को कैसे ठीक करती हैं?

***पारंपरिक मीडिया के साथ जुड़ाव ने दुष्प्रचार के जोखिम को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका नहीं निभाया।***

- औसतन, टीवी या प्रिंट से जुड़ी वेबसाइटों का उन वेबसाइटों के लिए जो केवल डिजिटल सामग्री परोसती हैं उनसे तुलना करने पर इन वेबसाइटों ने कोई अलग प्रदर्शन नहीं किया।

निष्कर्ष बताते हैं कि सामूहिक रूप से भारतीय वेबसाइटों पर संचालन नियंत्रण एवं संतुलन की इन कमियों को दूर करने के उपाय करने से, उनकी विश्वसनीयता में काफी वृद्धि हो सकती है। उदाहरण के लिए, वे अपने व्यवसायों की संरचना पर, अपनी रिपोर्टिंग में त्रुटियों को दूर करने की स्पष्ट नीतियां लाकर पारदर्शिता बढ़ा सकते हैं। ये दोनों उपाय अच्छी पत्रकारिता -प्रथाओं के सार्वभौमिक मानकों के अनुरूप हैं, जैसा कि जर्नलिज्म ट्रस्ट इनिशिएटिव [x]द्वारा सहमति व्यक्त की गई है।

**चित्रालेख 2.** वेबसाइट द्वारा दुष्प्रचार जोखिम रेटिंग

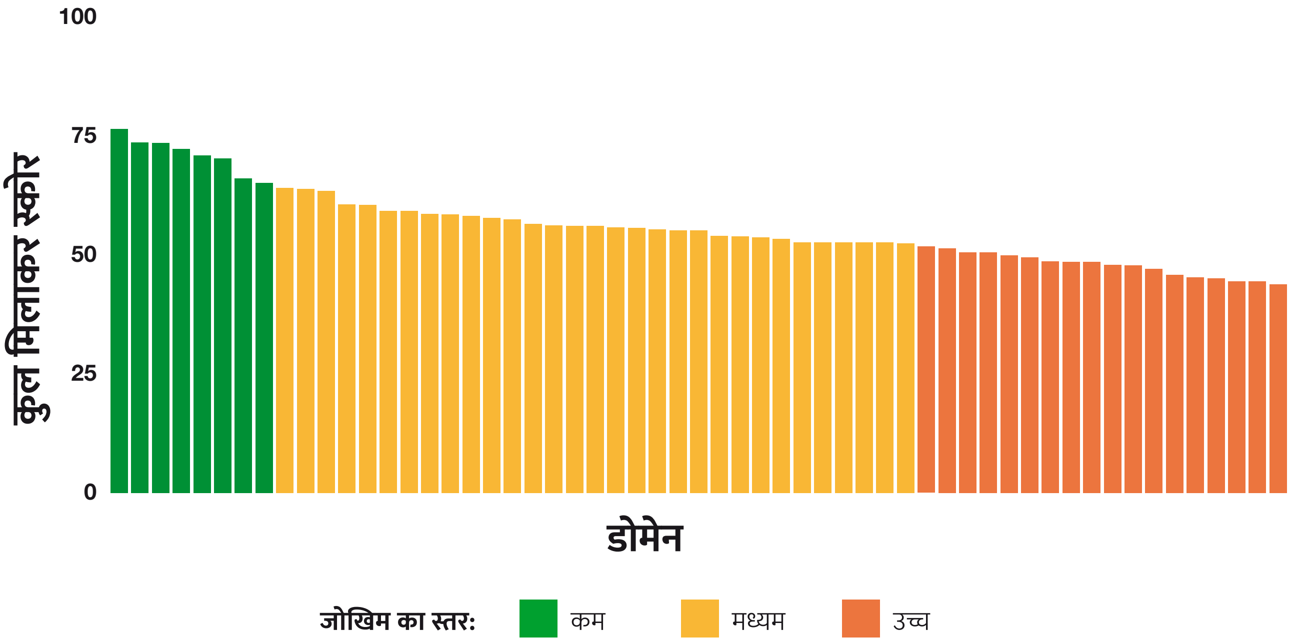

# **भारतीय मीडिया बाजार:** प्रमुख विशेषताएँ और दायरा

**भारत में समाचार की खपत तेजी से इंटरनेट द्वारा हो रही है। 2021 में, यह अनुमान है कि भारत में 284 मिलियन ऑनलाइन उपयोगकर्ता देश की आठ शीर्ष भाषाओं में अपने समाचारों का डिजिटल रूप से उपभोग करेंगे। यह आंकड़ा 2016 की तुलना में (106 [xi]मिलियन से ऊपर) दोगुने से अधिक हो गया है।**

देश [xii]में ऑनलाइन अंग्रेजी बोलने वाली आबादी के बीच, इनमें से अधिकांश उपयोगकर्ता पारंपरिक प्रिंट और प्रसारण मीडिया पर निर्भर होने के बजाय अपने समाचारों का ऑनलाइन उपभोग करते हैं। 35 वर्ष से कम आयु वालों के लिए, जो भारत की एक तिहाई आबादी [xiii]का हिस्सा हैं, उनमे से, 56 प्रतिशत ऑनलाइन समाचारों की ओर रुख करते हैं एवं ठीक इसके विपरीत प्रिंट (16 प्रतिशत) और टेलीविजन (26 [xiv]प्रतिशत) लोग उपयोग में लाते हैं। फिर भी, ऑनलाइन समाचारों पर अधिक निर्भरता अधिक विश्वास के समान नहीं है।

निष्कर्ष बताते हैं कि भारतीयों का एक बड़ा हिस्सा समाचार पत्रों और पत्रिकाओं (55 प्रतिशत) से ऑनलाइन स्रोतों (34 प्रतिशत [xv]) की तुलना में समाचारों पर भरोसा करता है। इस अध्ययन के निष्कर्ष में ('संदर्भ स्तंभ' अनुभाग देखें), ब्रांड विश्वसनीयता एक स्पष्ट कार्रवाई क्षेत्र को इंगित करता है जिसमें भारतीय मीडिया बाजार में हितधारक अपनी धारणाओं को बदलने के लिए दर्शकों के साथ जुड़ सकते हैं।

जैसे-जैसे भारतीय ऑनलाइन अधिक आएंगे, विश्वास का यह मुद्दा चिंता का विषय बना रहेगा। कुल मिलाकर, 2021 [xvi] में देश में अनुमानित 624 मिलियन इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, इसमें 2020 [xvii] की तुलना में आठ प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

यह संयोग है की इंटरनेट से जुड़े भारतीयों की संख्या में वृद्धि डिजिटल विज्ञापन में वृद्धि के साथ हुई है। एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय डिजिटल विज्ञापन बाजार 27 प्रतिशत से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़कर रु. 2025 [xviii]के अंत तक 58,550 करोड़ (US$78 बिलियन)। ऑनलाइन विज्ञापनों में निवेश इस कुल खर्च का 20 प्रतिशत है। आम तौर पर मीडिया पर विज्ञापन खर्च के मामले में, टेलीविजन (39 प्रतिशत) और प्रिंट (29 प्रतिशत) कंपनी के विज्ञापन खर्च के सबसे बड़े शेयरों का दावा करना जारी रखते हैं। भारत में, ऑनलाइन समाचारों की बढ़ती मांग और विज्ञापनों के लिए बढ़ते बाजार का यह संयोजन भरोसेमंद समाचार साइटों को अधिक ऑनलाइन विज्ञापन राजस्व निर्देशित करने के अवसर प्रदान करता है- लेकिन इसमें शामिल उन लोगो को प्रोत्साहन भी प्रदान करता है जो दुष्प्रचार द्वारा उत्पन्न वेब ट्रैफ़िक से पैसा बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

# **भारत का इंटरनेट देयता नियंत्रण:** एक नज़दीकी नज़र

भारत सरकार ने मार्च में, 'इंटरनेट मध्यस्थ दिशानिर्देश' और एक डिजिटल मीडिया नैतिकता कोड, औपचारिक रूप से सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2021 (या 'नियम') को लागू किया। ये अधिनियम डिजिटल समाचार प्रकाशकों पर अधिक दायित्व डालते हैं, जिनमें से एक का उद्देश्य ऑनलाइन प्रसारित गलत सूचना और दुष्प्रचार को नियंत्रित करना है। कानूनी विद्वानों और टिप्पणीकारों ने नियंत्रण के साथ कई चिंताओं की ओर इशारा किया है। जबकि प्रावधान मध्यस्थता करने वाले प्लेटफॉर्मों को टारगेट करते हैं (ऐसी सेवाएं जो उपयोगकर्ता द्वारा उत्पन्न सामग्री से संबंधित हैं), वे डिजिटल समाचार प्रकाशकों (जिनके पास उनकी सामग्री का पूर्ण संपादकीय नियंत्रण है) को भी नियंत्रित करने के हद तक जाते हैं। ऐसा करने में, ये नियम 'प्रत्यायोजित विधान' के दायरे से बाहर जाते हैं।

यह रिपोर्ट किसी भी तरह से इन उपायों का समर्थन नहीं करती है, जिन्हें वर्तमान में कानूनी रूप से चुनौती दी जा रही है। इस रिपोर्ट का उद्देश्य डिजिटल समाचार प्रकाशकों को जनता के प्रति अपनी पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए बेहतर तरीकों को अपनाने की वकालत करना है।

इस शोध निष्कर्ष के अतिरिक्त, विज्ञापनदाताओं और विज्ञापन सेवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन के रूप में भी काम कर सकते हैं ताकि वे अपने विज्ञापन खर्च को गुणवत्ता और विश्वसनीय समाचार साइटों पर सर्वोत्तम रूप से निर्देशित कर सकें। हम कंपनियों को के बारे में नैतिक निर्णय लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जहाँ वे विज्ञापन देना चुनते हैं। ऑनलाइन दुष्प्रचार का मुकाबला करने के लिए राज्य नियंत्रण अक्सर अनुपातहीन और संभावित असंवैधानिक रूप से प्रतिकूल प्रतिक्रिया हो सकता है।

# दुष्प्रचार जोखिम रेटिंग

**यह अध्ययन विशेष रूप से अंग्रेजी, हिंदी और बंगाली में प्रसारित होने वाली 56 भारतीय समाचार वेबसाइटों का सैंपल के रूप में अध्ययन करता है, इन सभी में कार्यक्रमिक विज्ञापन होता हैं।**

## बाजार का अवलोकन

सैंपल वेबसाइटों की लोगों तक पहुंच (प्रत्येक साइट की एलेक्सा रैंकिंग, फेसबुक फॉलोवर्स और ट्विटर फॉलोवर्स का उपयोग करके), प्रासंगिकता और वेबसाइट के लिए आवश्यक सूचना और जानकारी एकत्र करने की क्षमता पर आधारित था।

विश्लेषण किए गए डोमेन (वेबसाइट) में, हमने प्रिंट, डिजिटल और टीवी से संबंधित मीडिया वेबसाइटों [xix]के डोमेन के औसत स्तंभ स्कोर (Average Pillar Scores) में केवल मामूली अंतर पाया। पुरे सैंपल में, 25 वेबसाइटें प्रिंट समाचार पत्रों से जुड़ी थीं, 12 टेलीविजन समाचार चैनलों से जुड़ी थीं, और केवल 19 डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से समाचार प्रदान करती थीं।

हम अपने अध्ययन में पाते हैं कि अधिकांश भारतीय साइटों में मध्यम से उच्च स्तर के दुष्प्रचार जोखिम हैं। हमारे द्वारा मूल्यांकन की गई मीडिया वेबसाइटों में आधे से अधिक (56 में से 30) की **मध्यम जोखिम रेटिंग** थी। कुल मिलाकर हम देखते हैं कि, भारत में कई जोखिम लोक-जवाबदेही तंत्र (सूचकांक के संचालन स्तंभ द्वारा मापा जाता है) के कमजोर होने के कारण से आते हैं। औसतन हम पाते हैं, वेबसाइटों में पारदर्शी पत्रकारिता एवं संपादकीय जाँच की कमी था, और व्यवसाय संचालन एवं स्वामित्व के बारे में सार्वजनिक जानकारी के अभाव होने की भी संभावना थी (चित्र 4 देखें)। दूसरी ओर, वेबसाइटों ने वास्तविक लेख में उच्च रेटिंग दिखाई। कुछ अपवादों के साथ, सभी मीडिया आउटलेट्स ने आम तौर पर वर्तमान के महत्वपूर्ण घटनाओं और मामलों को ऐसे हेडलाइंस का इस्तेमाल करके कवर किया, जो लेख को सटीक रूप से सारांशित करता था, और किसी भी के वर्ग के लोगों को नकारात्मक रूप से नहीं दिखाता था।

किसी भी भारतीय वेबसाइट को **न्यूनतम जोखिम** या **अधिकतम जोखिम** रेटिंग प्राप्त नहीं हुई है, इससे हम समझ सकते हैं कि उनमें से अधिकांश सामग्री और संदर्भ स्तंभों पर काफी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

भारत में आठ ऐसी वेबसाइटें हैं जिन्हें दुष्प्रचार के **कम जोखिम** वाले के रूप में वर्गीकृत गया था। इन वेबसाइटों ने - जिनमें से एक को छोड़कर सभी अंग्रेजी में थीं - सामग्री संकेतकों पर अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन किया, जिसमें तटस्थ और गैर-सनसनीखेज सामग्री है जो किसी विशेष व्यक्ति या समूहों को नकारात्मक रूप से टारगेट नहीं करती है।

**चित्रालेख 3.** स्तंभ के अनुसार बाजार का कुल स्कोर

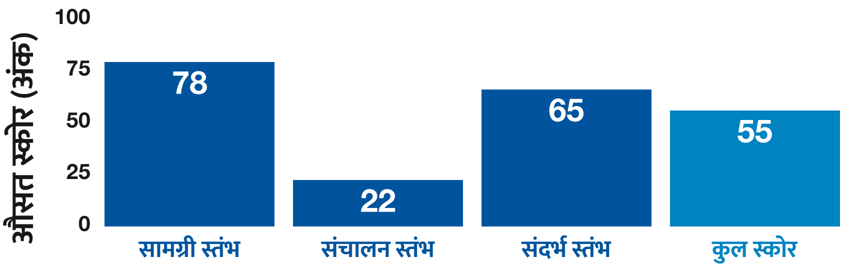


अठारह वेबसाइटों का मूल्यांकन **उच्च जोखिम** वाली रेटिंग के साथ किया गया था। हालांकि ये वेबसाइटें आम तौर पर विश्वसनीय और निष्पक्ष सामग्री प्रदान करने में अच्छा प्रदर्शन करती हैं, लेकिन इनके पास उचित संचालन नीतियों का अभाव है, जिसमें उनके वित्तीय स्रोतों और पत्रकारिता की स्वतंत्रता की जानकारी शामिल है। ऐसी नीतियां जर्नलिज्म ट्रस्ट इनिशिएटिव [xx](जेटीआई) द्वारा निर्धारित ठोस सार्वभौमिक पत्रकारिता मानकों से जुड़ी हैं। अधिकांश वेबसाइटें जो वर्तमान में जोखिम के मध्य से उच्च श्रेणी में आती हैं, वे अपनी वेबसाइट की संचालन और संपादकीय नीतियों में सुधार कर के कम जोखिम वाले समूह में स्थापित हो सकती हैं।

कुल सैंपल वेबसाइटों में से कई वेबसाइटों ने संदर्भ स्तंभ सूचकांकों [xxi] के लिए किए गए सर्वेक्षण प्रतिक्रियाओं के आधार पर ब्रांड विश्वसनीयता के एक जैसे स्तर दिखाए हैं। इन निष्कर्षों से पता चलता है कि समाचार साइटों के बारे में जानकार पाठकों की धारणाएं पूरे सैंपल में केवल थोड़ी-बहुत भिन्न होती हैं। हालांकि, आगे और विश्लेषण करने से पता चलता है कि किसी साइट द्वारा समाचारों के सटीक कवरेज की धारणा से ब्रांड विश्वसनीयता के बनने पर असर पड़ता है। किसी वेबसाइट की सटीकता की अवधारणा बहुत अधिक और महत्वपूर्ण रूप से उन धारणाओं से संबंधित होती है कि ये वेबसाइटें में सुधार का कितना काम करती है, एवं विचार या वैचारिक लेखों से समाचारों को समाहित करती है, और क्लिकबेट [xxii]का लगातार इस्तेमाल नहीं करता है।

**चित्रालेख 4.** जोखिम रेटिंग स्तर के आधार पर औसत स्तंभ स्कोर

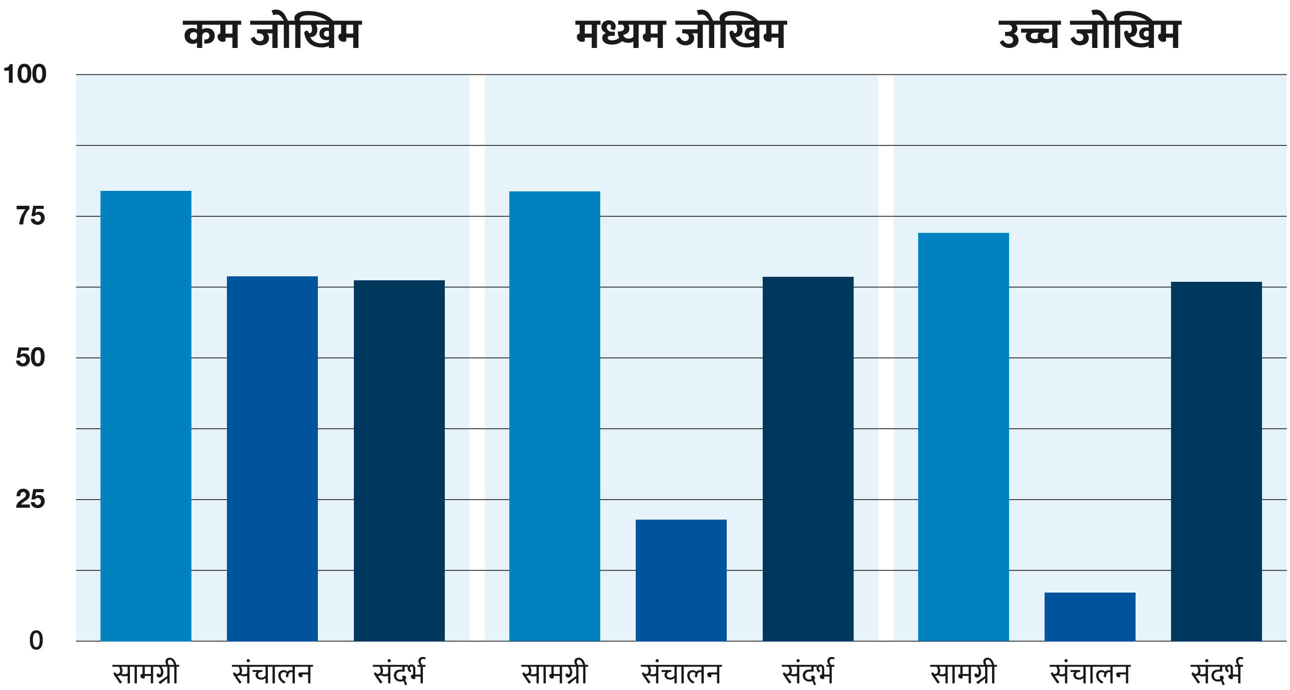

# स्तंभ अवलोकन

## सामग्री स्तंभ

'सामग्री' स्तंभ में सूचकांक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई सामग्री की विश्वसनीयता पर प्रकाश डालते हैं। सामग्री स्तंभ के लिए हमारा विश्लेषण प्रत्येक डोमेन के दस अज्ञात लेखों के आकलन पर आधारित है। ये लेख डेटा संग्रह अवधि के दौरान लेख सामग्रियों में सबसे अधिक साझा किए गए लेखों में से लिए गए हैं। सभी लेखों का परिक्षण स्कोर शून्य (सबसे खराब) से 100 (सर्वोत्तम) के पैमाने पर आधारित हैं, जैसा कि देश के समीक्षकों द्वारा मूल्यांकन किया गया है।

कुल मिलाकर, भारत ने सामग्री के संदर्भ में दुष्प्रचार जोखिम में मिले-जुले परिणाम दिखाएं हैं। इस स्तंभ में अधिकांश व्यक्तिगत संकेतकों ने एक औसत स्कोर प्राप्त किया, जिनमें नकारात्मक रूप से निशाना बनाना, पूर्वाग्रह का झुकाव (लेखों की शाब्दिक टोन), और सुर्खियों की सटीकता (शीर्षक) शामिल हैं। समीक्षा किए गए अधिकांश डोमेन में यह भी पाया गया कि, सटीक शीर्षकों को अपनाने वाले डोमेन और रिपोर्ताज के निष्पक्ष एवं तथ्यात्मक टोन के बीच एक सकारात्मक सहसंबंध है, अर्थात, जिन डोमेन में लगातार सटीक, गैर-सनसनीखेज हेडलाइंस थे, वे संयम के समान स्तर और लेख [xxiii]में तटस्थता को प्रदर्शित करते थे। इस तरह के सहसंबंध का मतलब यह भी था कि अधिकांश डोमेन को लक्ष्य-अधारित संकेतक पर उच्च अंक प्राप्त हुए। अर्थात्, अधिकांश डोमेन से लिए गए सैंपल लेखों में, हमें किसी खास समूहों के विरुद्ध नकारात्मक रूप से निशाना बनाने के बहुत कम उदाहरण मिले। इसके अलावा, जैसा कि संदर्भ स्तंभ [xxiv]में मापा गया है, हमारे निष्कर्ष उन वेबसाइटों के बीच एक महत्वपूर्ण एवं सकारात्मक सहसंबंध दिखाते हैं जो नकारात्मक रूप से निशाना बनाने में संलग्न नहीं हैं और जिनको शायद ही कभी क्लिकबैट का उपयोग करने के लिए माना जाता है। दो डोमेन ने शीर्षक, टोन और नकारात्म रूप से निशाना बनाने के सूचकांकों में लगातार कम स्कोर प्राप्त किया, जो आमतौर पर दुष्प्रचार के उच्च जोखिम को दर्शाता है।

इस स्तंभ पर बेहतरीन प्रदर्शन करने वाली साइटों में, केवल दो डोमेन हैं, *संगबाद प्रतिदिन (Sangbad Pratidin)* और द *फाइनेंशियल एक्सप्रेस*, जिनका सभी सामग्री संकेतकों में औसत स्कोर 90 से अधिक था। ऐसा इसलिए था क्योंकि इन डोमेन के लिए चुने गए सैंपल लेखों में नकारात्मक रूप से निशाना बनाने का कोई उदाहरण नहीं था, और शाब्दिक टोन एवं शीर्षक सूचकांकों पर बहुत अधिक स्कोर मिले थे।

वेबसाइटों के कुल सैंपल में, हमने पाया कि सामान्य कवरेज और 'बायलाइन' सूचकांकों के लिए स्कोर अन्य सभी सूचकांकों की तुलना में लगातार कम थे। हालांकि समीक्षा किए गए डोमेन के स्थानीय राजनीतिक घटनाओं के सन्दर्भ में सामान्य कवरेज था, कई वेबसाइटों ने अधिक अनुरूपित, 'सॉफ्ट न्यूज' सामग्री भी प्रदान की जो उनके उपयोगकर्ताओं के लिए रुचिकर होगी। मजबूत संचालन एवं संपादकीय मानकों के अभाव में, ऐसी अनुरूपित सामग्री में दुष्प्रचार के लिए हेरफेर [xxv]की संभावना हो सकती है। समीक्षा किए गए लेखों के लेखक और लेखन के बारे में विस्तृत जानकारी के प्रावधान की बात आने पर अधिकांश डोमेन ने खराब प्रदर्शन किया, जिसमें चार वेबसाइटों में से केवल एक को 90 और उससे अधिक के स्कोर प्राप्त हुए। हम मानते हैं कि संपादकों के बारे में कम जानकारी प्रदान करने के लिए ठोस कारण राजनीतिक और संपादकीय हो सकते हैं (भारत [xxvi]में हिंसा और पत्रकारों की हत्या प्रचलित है)। हालाँकि, भारत [xxvii] में ऑनलाइन समाचारों पर विश्वास की कुल कम मात्रा को देखते हुए, बायलाइन का होना समाचारों में अधिक पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित कर सकती है। इस तरह के विश्वास और विश्वसनीयता को बहाल करने के लिए एक वैकल्पिक उपाय, लेखक के नाम को गुप्त रखने की आवश्यकता को समझाते हुए स्पष्ट और उचित नीतियां हो सकती हैं, जैसा नीति द *इकोनॉमिस्ट* [xxviii]के पास है।

**चित्रालेख 5.** संकेतक/सूचक द्वारा औसत सामग्री स्तंभ स्कोर

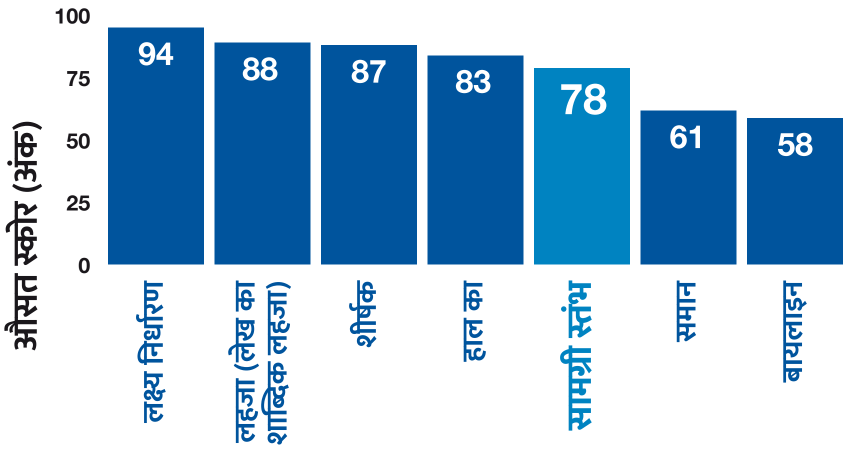


**चित्रालेख 6.** संकेतक/सूचक द्वारा औसत सामग्री स्तंभ स्कोर

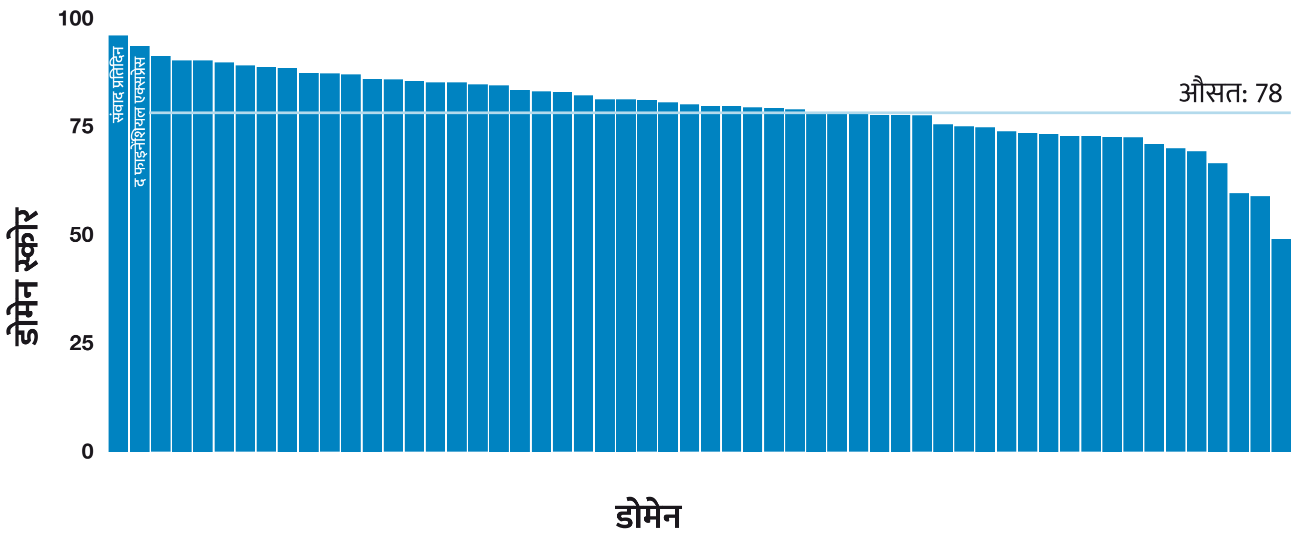


*नोट: 90 के स्कोर से ऊपर प्रदर्शन करने वाली वेबसाइटों को नाम दिया गया है।

## संचालन स्तंभ

'संचालन' स्तंभ में सूचकांक समाचार वेबसाइट का संचालन और संपादकीय सत्यनिष्ठा का आकलन करते हैं एवं अमल में लाये गए नियंत्रण एवं संतुलन तंत्र का मूल्यांकन करते हैं। वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार देश के समीक्षकों द्वारा एकत्र किए गए आंकड़ों के आधार पर सभी स्कोर शून्य (सबसे खराब) से 100 (सर्वोत्तम) के पैमाने पर आधारित होते हैं। संचालन सूचकांक गलत सूचना अथवा, दुष्प्रचार जोखिम रेटिंग को कम करने के लिए सबसे तेज तरीका हैं, क्योंकि वे उन नीतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं जिन्हें डोमेन तुरंत स्थापित और सार्वजनिक [xxix]कर सकते हैं।

समीक्षा किए गए अधिकांश डोमेन में संचालन एवं संपादकीय नीतियों से जुड़े दुष्प्रचार की बहुत अधिक जोखिम है। इस संचालन स्तंभ पर 100 का स्कोर प्राप्त करने के लिए किसी भी डोमेन के पास सभी आवश्यक जानकारी नहीं थी। केवल बारह डोमेन ने आउटलेट के मालिक के बारे में पूरी जानकारी प्रस्तुत की, जबकि नौ डोमेन ने अपने कमाई और फंडिंग के स्रोतों के बारे में पूरी जानकारी प्रस्तुत की। भारत [xxx]में मीडिया के निगमीकरण और तेजी से बढ़ते केंद्रिकृत स्वामित्व को देखते हुए, समीक्षा किए गए समाचारों की बहुलता और विविधता एवं प्रस्तुत मत हमेशा संभावित रूप से प्रभावित [xxxi]होती हैं। इसलिए आउटलेट्स के व्यवहार को नियंत्रित करने वाले कारकों स्वामित्व, फंडिंग, और नियंत्रण एवं संतुलन तंत्र के बारे में अतिरिक्त पारदर्शिता, इन आउटलेट्स को भारतीय आबादी के एक बड़े हिस्से जो समाचारों तक ऑनलाइन माध्यमों से पहुँचता है, उनके लिए एक बेहतर निर्णय लेने की क्षमता दे सकती है। संपादकीय स्वतंत्रता और त्रुटि सुधार के सम्बन्ध में पारदर्शिता की कमियों के सुधार के लिए स्पष्ट नीतियों की आवश्यकता भी महत्वपूर्ण है। सिर्फ दस डोमेन ऐसे थे जिनके पास ऐसे स्वतंत्रता को सार्वजनिक रूप से जाहिर करने की कोई नीति थी, और केवल पांच डोमेन में सुधारों और लेखों में सुधारित त्रुटियों के बाद के प्रकाशन के संबंध में पूरी नीति थी। कुल मिलाकर, इस स्तंभ पर केवल एक डोमेन को 80 से अधिक अंक प्राप्त हुए, और चार डोमेन को 70 से अधिक अंक प्राप्त हुए।

हमारे सैंपल में सभी 56 साइटों में संचालन स्तंभ के सभी सूचकांकों पर पूरी तरह से स्कोर करने की क्षमता है अगर वे ऐसी संचालन नीतियों और सूचनाओं को अपनाते और प्रकट करते हैं। संचालन स्तंभ के संकेतक उन मानकों से लिए गए हैं जो पत्रकारों द्वारा जर्नलिज्म ट्रस्ट इनिसिएटिव [xxxii](जेटीआई) के अंतरगर्त निर्धारित किए गए हैं। जैसा कि [xxxiii]जेटीआई बताता है, इन मानकों को अपनाने से जनता की नजर में विश्वसनीयता बढ़ती है, यह पारंपरिक मीडिया को डिजिटल युग में अपनी प्रथाओं का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए मजबूर करता है, और नए मीडिया आउटलेट्स को अपने व्यापार मॉडल के बारे में अधिक पारदर्शी होने के लिए प्रोत्साहित करता है।

**चित्रालेख 7.** संकेतक द्वारा औसत संचालन स्तंभ स्कोर

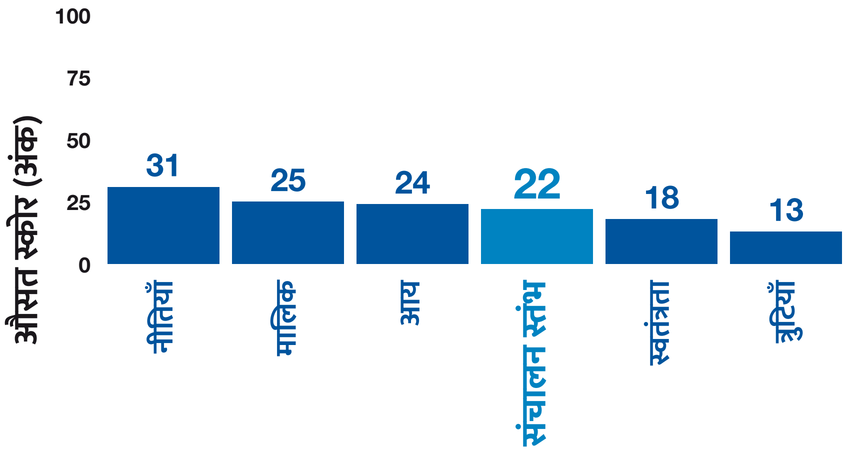


**चित्रालेख 8.** वेबसाइट द्वारा संचालन स्तंभ स्कोर

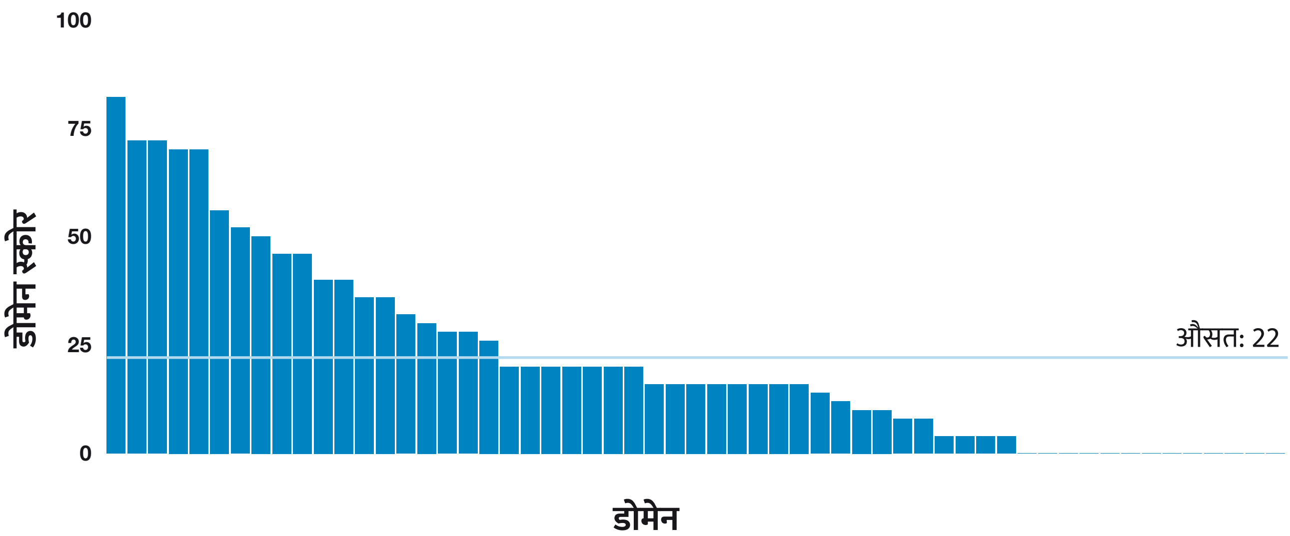

## सन्दर्भ स्तंभ

'संदर्भ' स्तंभ पर एक वेबसाइट का प्रदर्शन किसी मीडिया वेबसाइट में ब्रांड विश्वास का एक अच्छा उपाय है, जो समाचार कवरेज में सटीकता की धारणा, क्लिकबैट सुर्खियों का उपयोग और सुधारों के प्रकाशन जैसे कारकों से प्रभावित होता है। 'संदर्भ' स्तंभ में सभी स्कोर शून्य (सबसे खराब) से 100 (सर्वोत्तम) के पैमाने पर आधारित हैं, जैसा कि ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं द्वारा मूल्यांकन किया गया है।

संदर्भ स्तंभ निष्कर्ष भारत [xxxiv]के लिए हमारे सैंपल में शामिल मीडिया वेबसाइटों में ब्रांड विश्वास के बारे में सूचित ऑनलाइन पाठकों की धारणाओं को मापने के लिए किए गए एक स्वतंत्र सर्वेक्षण पर आधारित हैं।

संदर्भ स्तंभ स्कोर में कई डोमेन में सुधार की गुंजाइश है, हालांकि ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं की धारणाओं को केवल मध्यम से लंबी अवधि में ही स्थानांतरित किया जा सकता है। यह आंशिक रूप से इस तथ्य के कारण है कि धारणाएं 'स्थिर' हो सकती हैं और वेबसाइट की वर्तमान वास्तविकताओं के साथ फिर से जुड़ने में समय लेती हैं। सामग्री स्तंभ के स्कोर की तुलना में, इस स्तंभ का कुल औसत केवल 65 के औसत स्कोर के साथ कम है। इस स्तंभ के निष्कर्ष सैंपल किए गए मीडिया डोमेन की सावधानीपूर्वक सकारात्मक धारणा प्रदर्शित करते हैं।

आगे के विश्लेषण से पता चलता है कि कुछ संकेतकों में औसत स्कोर अन्य संकेतकों की तुलना में काफी अधिक है। उदाहरण के लिए, वेबसाइट की सटीकता की धारणा और समाचारों को मत से अलग करने की वेबसाइट की क्षमता आम तौर पर उच्च होती है। सटीकता संकेतक पर केवल पांच डोमेन को 70 से कम स्कोर प्राप्त हुआ, जबकि किसी भी डोमेन को समाचार बनाम मत संकेतक पर 70 से कम स्कोर प्राप्त नहीं हुआ।

अन्य सूचकांकों के पैमाने पर प्रदर्शन थोड़ा कम है। उदाहरण के लिए, वेबसाइट के क्लिकबेट के उपयोग और त्रुटियों के सुधार के बारे में उत्तरदाताओं की धारणा ब्रांड विश्वास के अन्य सूचकांकों की तुलना में कम है। क्लिकबेट संकेतक पर किसी भी डोमेन को 60 से अधिक स्कोर नहीं मिला, और सुधार संकेतक पर केवल सात डोमेन को 60 से अधिक स्कोर प्राप्त हुआ। ऐसी धारणाएं मायने रखती हैं। जिन वेबसाइटों को क्लिकबेट का उपयोग नहीं करने के लिए माना जाता था, उन्हें सटीक समाचार कवरेज के रूप में माना जाता था और ये उन लेखों को प्रकाशित नहीं करती थी जो किन्ही समूहों [xxxv]को नकारात्मक रूप से निशाना बनाते थे।

**चित्रालेख 9.** संकेतक द्वारा औसत संदर्भ स्तंभ स्कोर

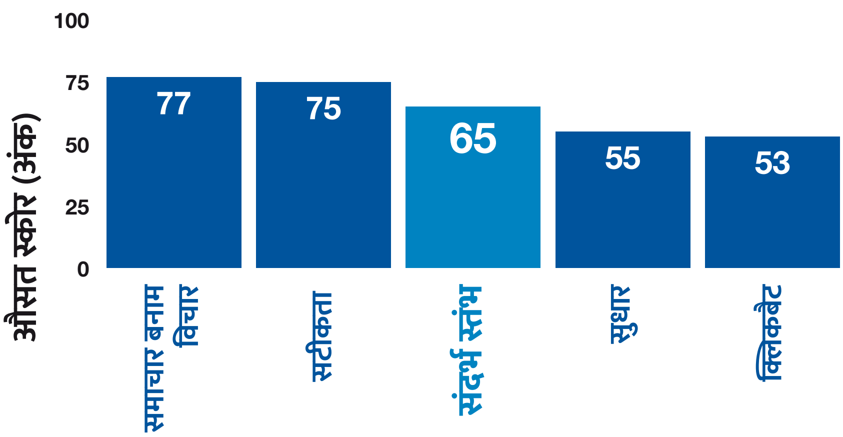

**चित्रालेख 10.** साइट के अनुसार प्रसंग स्तंभ स्कोर

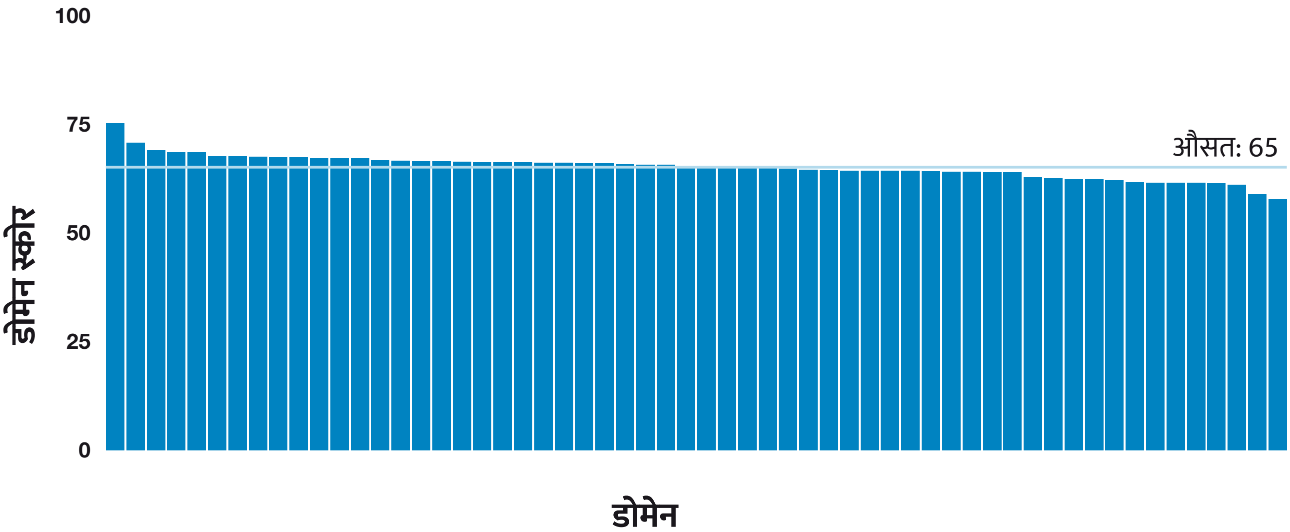

# निष्कर्ष

**भारत में हुए मूल्यांकन के निष्कर्ष एक ऐसे मीडिया बाजार को दिखाते हैं, जो अपने ऑनलाइन पाठकों के लिए दुष्प्रचार जोखिम का एक ऊंचा स्तर दिखाते हैं।**

सैम्पल में किसी भी साइट को न्यूनतम दुष्प्रचार जोखिम नहीं दिखाया गया था। केवल अध्ययन में आठ समाचार साइटों को उनके पाठक को खराब सूचना के कम जोखिम वाले के रूप में दर्जा दिया गया था। आधे से अधिक साइटों में मध्यम दुष्प्रचार जोखिम रेटिंग थी (30 साइटें) जबकि एक तिहाई ने उच्च दुष्प्रचार जोखिम जाहिर किए (18 साइटें)। जबकि अधिकांश डोमेन ने अपनी सामग्री की विश्वसनीयता पर अपेक्षाकृत अच्छा स्कोर किया, इनमें से कई डोमेन के स्कोर संचालन कमियों के कारण नीचे लाए गए थे। भारतीय वेबसाइटों ने सभी पैमाने पर संचालन स्तंभ, जैसे लाभकारी मालिकों की जानकारी, धन के स्रोत, और अन्य संचालन और संपादकीय नीतियां खराब प्रदर्शन किया।

समाचार साइटें इन संचलात्मक कमियों को दूर करने के लिए निम्न कदम उठा सकते है जिनमे शामिल हैं:

- जर्नलिज्म ट्रस्ट इनिशिएटिव द्वारा निर्धारित, पत्रकारिता और संचालन मानकों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करना जो साइट की सभी नीतियों के बारे में जानकारी को पारदर्शी बनाते हैं।
- अपनी संबंधित वेबसाइटों पर फंडिंग के स्रोतों को स्पष्ट रूप से प्रकाशित करने पर ध्यान केंद्रित करना। यह जानकारी साइट में विश्वास बनाने में मदद करती है और इस बारे में संदेह दूर करती है कि इसे कैसे वित्त पोषित किया जाता है।
- संपादकीय स्वतंत्रता के स्पष्ट बयान प्रकाशित करना, सुधार जारी करने के लिए दिशानिर्देश, और उपयोगकर्ता-लिखित, और एल्गोरिथम-जनित सामग्री, के लिए नीतियां लागू करना।
- रिपोर्टिंग में त्रुटियों के मामले में सुधार प्रथाओं के लिए नीति को लागू करना और स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना।
- पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बाइलाइन का प्रकाशन सुनिश्चित करना और लेखक की पहचान का उल्लेख करके जवाबदेही सुनिश्चित करना। वैकल्पिक रूप से, साइटें कुछ मामलों में लेखक के पहचान छिपाने की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए स्पष्ट और न्यायसंगत नीतियों के लिए प्रयास कर सकती हैं।

विशेष रूप से दुष्प्रचार जोखिम की एक भरोसेमंद, स्वतंत्र रेटिंग की भारत में, अत्यंत आवश्यकता है। इस जोखिम-रेटिंग ढांचे को इस मकसद से बनाया गया है कि नीति निर्माताओं, समाचार मीडिया कर्मियों और विज्ञापन तकनीक उद्योग को महत्वपूर्ण जानकारी दी जा सके तथा प्रमुख निर्णय निर्माताओं को देश में दुष्प्रचार को बढ़ावा देने और उसे बनाए रखने वाले धन के प्रवाह को रोकने में सक्षम बनाता है।

# **परिशिष्ट:** कार्यप्रणाली

## स्तंभ स्कोरिंग

जीडीआई जोखिम रेटिंग की सामग्री और संचालन स्तंभ किसी विशेष क्षण का विश्लेषण करके डोमेन की असतत, अवलोकन योग्य विशेषताओं को पकड़ने के लिए विकसित किया गया है। यह दृष्टिकोण पूर्वाग्रह को कम करने एवं डोमेन और देशों में हमारे विश्लेषण के मानकों को एक समान बनाने में प्रभावी है, लेकिन इसका दायरा सीमित है। किसी डोमेन की सामग्री और प्रथाओं के बारे में ऐतिहासिक जानकारी इन स्तंभों द्वारा पता नहीं चलती है - न ही कम देखने योग्य दुष्प्रचारक चिन्हें (जैसे किसी कहानी या विषय के बारे में कुछ न कहकर पाठकों को नियमित रूप से भ्रमित करना)।

इन दोनों सीमाओं को तीसरे स्तंभ, संदर्भ द्वारा संबोधित किया जाता है, जो दीर्घकालिक रुझानों और संकेतकों का आकलन करता है जिन्हें मापना कठिन होता है।

इस रिपोर्ट में, डोमेन के स्कोर का दो-तिहाई हिस्सा देखने योग्य सुविधाओं (सामग्री और संचालन स्तंभों के माध्यम से) के क्षण पर आधारित होता है, जबकि अंतिम तीसरा सूचित ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं के एक धारणा सर्वेक्षण के माध्यम से आता है जो हमारे निष्कर्षों को प्रासंगिक बनाता है।

**तालिका 2.** संकेतक, वैश्विक दुष्प्रचार सूचकांक

सामग्री स्तंभ दो समर्पित देश विश्लेषकों द्वारा एक डोमेन द्वारा प्रकाशित दस लेखों की समीक्षा कर छह संकेतकों के आधार पर स्कोर तैयार करता है। ये दस लेख दो सप्ताह की अवधि के भीतर उस डोमेन के सबसे अधिक बार साझा किए गए लेखों में से अव्यवस्थित तौर से चुना गया और फिर प्रकाशक की पहचान करने वाली किसी भी जानकारी को हटा दिया गया।

अंतिम जोखिम रेटिंग में शामिल संकेतक हैं: शीर्षक प्रतिनिधित्व, लेखक विशेषता, लेख टोन, सामयिकता, और अन्य डोमेन द्वारा कहानी का सामान्य कवरेज।

संचालन स्तंभ को डोमेन स्तर पर स्कोर किया जाता है उन्हीं देशों के विश्लेषक द्वारा। हमने जर्नलिज्म ट्रस्ट इनिशिएटिव की विश्वसनीयता संकेतों की सूची से पांच संकेतकों का चयन किया है ताकि किसी डोमेन के संभावित वित्तीय हितों के टकराव, उसके टिप्पणी अनुभागों में दुष्प्रचार फैलने की संभावना और संपादकीय मानकों से जुड़े जोखिम को पकड़ सकें।

यह पत्रकारिता की वास्तविक गुणवत्ता को पकड़ने के लिए नहीं है, क्योंकि यह स्तंभ अपने संचालन के सार्वजनिकता के आधार पर एक डोमेन का मूल्यांकन करता है, जो वास्तविक संचालन से अलग हो सकता है। इसमें शामिल सूचकांक हैं: वास्तविक लाभ प्राप्त करने वाले मालिकों की जानकारी, फंडिंग स्रोतों में पारदर्शिता, टिप्पणी अनुभागों के लिए प्रकाशित नीतियां और एल्गोरिथम-जनित सामग्री की पहचान करना, त्रुटि रिपोर्टिंग के लिए एक स्पष्ट प्रक्रिया, और संपादकीय स्वतंत्रता की पुष्टि करने वाला एक सार्वजनिक बयान।

संदर्भ स्तंभ स्कोर एक डोमेन की सामग्री और संचालन के बारे में सूचित ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं की धारणाओं के सर्वेक्षण के परिणामों पर आधारित है। जोखिम रेटिंग की गणना में सर्वेक्षण डेटा शामिल करना आवश्यक है क्योंकि यह राय की एक विस्तृत श्रृंखला को कैप्चर करता है, और क्योंकि ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं की धारणा साइट के दीर्घकालिक व्यवहार और प्रदर्शन पर आधारित होती है। यह स्तंभ हमारे सामग्री स्तंभ के लिए एक अच्छा पूरक प्रदान करता है, जो गहन तौर पर इसकी पड़ताल करता है, लेकिन केवल दस लेखों का विश्लेषण करता है। सर्वेक्षण में चार सूचकांक शामिल हैं: सटीकता, समाचार और वैचारिक लेखों का स्पष्ट अंतर, क्लिकबेट शीर्षकों का उपयोग, और त्रुटि रिपोर्टिंग। डोमेन को उनके अंतिम जोखिम स्कोर के आधार पर , पांच जोखिम श्रेणियों में से एक में रखा गया है। श्रेणियों के लिए कट-ऑफ इंडेक्स के वर्तमान संस्करण में सभी देशों में डोमेन के लिए जोखिम रेटिंग को मिलाकर और इस वैश्विक नमूने के माध्य और मानक विचलन की गणना करके निर्धारित किया जाता है। डोमेन को श्रेणी के आधार पर रखा जाता है मानक विचलन की संख्या पर जो उन्हें वैश्विक औसत स्कोर से रेटिंग अलग करते हैं। तालिका 3 प्रत्येक श्रेणी और उसके कट-ऑफ को दिखाती है।

**तालिका 3.** जोखिम बैंड का अवलोकन

| कुल डोमेन स्कोर | दुष्प्रचार स्तर | दुष्प्रचार जोखिम स्तर |
|---|---|---|
| < -1.5 एसडी से औसत | 5 | अधिकतम जोखिम |
| ≥ -1.5 और ≤ -0.5 एसडी से औसत | 4 | उच्च जोखिम |
| > -0.5 और ≤ 0.5 एसडी से औसत | 3 | मध्यम जोखिम |
| > 0.5 और ≤ 1.5 एसडी से औसत | 2 | कम जोखिम |
| > 1.5 एसडी सेऔसत | 1 | न्यूनतम जोखिम |

# आंकड़ा संग्रहण

प्रत्येक भारतीय डोमेन का मूल्यांकन दो विश्लेषक द्वारा किया गया था जिन्हें जीडीआई के ढांचे पर प्रशिक्षित किया गया था, जो एक कोडबुक के अनुसार जो प्रत्येक सूचकांकों का आकलन करने के विस्तृत निर्देश प्रदान करता है।

सर्वेक्षण यूगव (YouGov) द्वारा आयोजित किया गया था और इसमें 720 उत्तरदाताएँ शामिल हैं। एक ऑनलाइन सर्वेक्षण 5 और 19 अक्टूबर, 2020 के बीच किया गया। प्रत्येक उत्तरदाताओं से प्रश्नों की श्रृंखला के जरिये उन डोमेन के बारे में पूछा गया था जिनसे वे परिचित थे। प्रत्येक उत्तरदाताओं ने साइट के साथ अपनी पहचान के आधार पर सैम्पल से अधिकतम दस साइटों का मूल्यांकन किया। एक साइट के लिए अधिकतम उत्तरदाताओं की संख्या 137 और न्यूनतम 32 थी। ये संख्याएं काफी मजबूत सर्वेक्षण आकार का सुझाव देती हैं जो एक मजबूत विश्लेषण की अनुमति देता है।

## **चित्रालेख 11.** सहसम्बंध मैट्रिक्स

**सहसंबंध**

-1 -0.8 -0.6 -0.4 -0.2 0 0.2 0.4 0.6 0.8 1

| | स्वामित्व | बायलाइन जानकारी | राजस्व | त्रुटियाँ | स्वतंत्रता | क्लिकबेट | समाचार बनाम विचार | सटीकता | सुधार | हालिया कवरेज | सामान्य कवरेज | नीतियाँ | शीर्षक सटीकता | लेख पूर्वाग्रह |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| बायलाइन जानकारी | 0.06 | | | | | | | | | | | | | |
| राजस्व | 0.29 | 0.16 | | | | | | | | | | | | |
| त्रुटियाँ | 0.19 | 0.26 | 0.38 | | | | | | | | | | | |
| स्वतंत्रता | 0.05 | 0.29 | 0.44 | 0.63 | | | | | | | | | | |
| क्लिकबेट | 0.03 | 0.06 | -0.09 | -0.02 | -0.02 | | | | | | | | | |
| समाचार बनाम विचार | -0.27 | 0.05 | -0.1 | 0.23 | 0.17 | 0.17 | | | | | | | | |
| सटीकता | -0.02 | 0.2 | -0.25 | -0.13 | -0.1 | 0.35 | 0.61 | | | | | | | |
| सुधार | -0.02 | -0.06 | -0.17 | -0.07 | -0.09 | 0.14 | 0.48 | 0.62 | | | | | | |
| हालिया कवरेज | -0.04 | -0.21 | -0.1 | -0.06 | -0.11 | -0.19 | 0.07 | 0.21 | 0.21 | | | | | |
| सामान्य कवरेज | -0.06 | -0.27 | -0.18 | -0.27 | -0.27 | -0.16 | 0.14 | 0.21 | 0.24 | 0.8 | | | | |
| नीतियाँ | -0.03 | 0.15 | -0.01 | -0.02 | 0.09 | 0.04 | 0 | 0.15 | -0.05 | 0.03 | -0.04 | | | |
| शीर्षक सटीकता | 0.02 | 0.12 | -0.21 | 0.03 | 0.04 | 0.09 | 0.12 | 0.14 | -0.05 | 0.43 | 0.32 | 0.16 | | |
| लेख पूर्वाग्रह | 0.03 | 0.11 | -0.35 | -0.08 | -0.01 | 0.19 | 0.03 | 0.16 | -0.06 | 0.23 | 0.21 | 0.15 | 0.74 | |
| नकारात्मक लक्ष्यीकरण | 0.06 | 0.16 | -0.38 | -0.13 | -0.02 | 0.33 | -0.02 | 0.09 | -0.06 | 0.1 | 0.05 | 0.07 | 0.57 | 0.83 |

*नोट: सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण सहसंबंधों पर प्रकाश डाला गया है।

# सन्दर्भ-सूची


i हम दुष्प्रचार को 'भ्रामक सुचना फ़ैलाने' की क्रिया के रूप में परिभाषित करते हैं': 'जानबूझकर गुमराह करना; वास्तविक सूचना के विपरीत।'

ii ढांचे के मानव समीक्षा तत्वों को एलेक्जेंड्रा मौसाविज़ादेह (टॉर्टोइज मीडिया के लिए अंतर्दृष्टि के प्रमुख और जीडीआई के सह-संस्थापक) के सहयोग से विकसित किया गया था। बेन निमो (ग्राफिका), केमिली फ्रांकोइस (फेसबुक), मिगुएल मार्टिनेज (सह-संस्थापक और मुख्य डेटा वैज्ञानिक, सिग्नल एआई) सहित एक तकनीकी सलाहकार समूह (टीएजी) के समर्थन से रूपरेखा की सलाह दी गई, इसकी जांच की गई और इसे अंतिम रूप दिया गया। निक न्यूमैन (रॉयटर्स इंस्टीट्यूट ऑफ जर्नलिज्म), ओलाफ स्टीनफैड, (रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स), क्रिस्टीना टार्डागुइला (लुपा), एमी मिशेल (प्यू रिसर्च), स्कॉट हेल (मीडन एंड क्रेडिबिलिटी कोएलिशन), फिन हेनरिक (ओएसएफ) और लौरा ज़ोमर ( चेकियाडो)।

iii हमारी कार्यप्रणाली के बारे में अधिक जानकारी के लिए, परिशिष्ट और कार्यप्रणाली यहाँ देखें: https://disinformationindex.org/research/।

iv 2021 में, निम्नलिखित देशों के लिए: अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, इटली, मलेशिया, मैक्सिको, नाइजीरिया और स्पेन मीडिया बाजार का आकलन तैयार किए जाएंगे। अतिरिक्त देशों को भी जोड़ा जा सकता है।

v रिपोर्ट में शामिल सभी साइटों को उनके व्यक्तिगत स्कोर और जोखिम रेटिंग, साथ ही साथ समग्र ( कुल ) बाजार औसत बारे में सूचित किया गया था।

vi नोट: संचालन स्तंभ के लिए शोध दो दौर में किया गया था: पहला दौर जुलाई 2020 में संपन्न हुआ था, जबकि दूसरा दौर दिसंबर 2020 में संपन्न हुआ था। सामग्री स्तंभ के लिए शोध फरवरी 2021 में संपन्न हुआ। इसके अनुसार , प्रत्येक डोमेन के लिए स्कोर सूचकांकों पर आधारित होते हैं क्योंकि उन्हें संबंधित समयरेखा पर प्रदर्शित किया गया था जब उन्हें एक्सेस किया गया था। इन अवधियों के बाद डोमेन द्वारा उनके संचालन या सामग्री स्तंभ में किए गए किसी भी परिवर्तन को स्कोर और अंतिम विश्लेषण में शामिल नहीं किया गया है।

vii दो शोधकर्ताओं ने प्रत्येक साइट और सूचकांक का आकलन किया। 5 और 19 अक्टूबर, 2020 के बीच यु गव.द्वारा सूचित ऑनलाइन उपयोगकर्ताओं का सर्वेक्षण किया गया था। सभी उत्तरदाताओं ने उन सभी देशों में ग्लोबल डिसइनफॉर्मेशन इंडेक्स (GDI) द्वारा उपयोग किए जाने वाले प्रश्नों के एक मानक सेट का उत्तर दिया, जहां यह जोखिम रेटिंग करता है। प्रत्येक उत्तरदाताओं ने दस साइटों तक ब्रांड विश्वास और विश्वसनीयता के बारे में अपनी धारणाएं प्रदान कीं, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे इससे 'परिचित'।

viii न्यूनतम जोखिम ही जोखिम रेटिंग का सर्वोत्तम तरीका है, जिसके बाद कम जोखिम रेटिंग होती है। दोनों रेटिंग एक समाचार साइट का सुझाव देती हैं जिसने सभी सूचकांकों में अच्छा स्कोर किया है। जोखिम रेटिंग द्वारा कवर किए गए सभी देशों में, समग्र स्कोर केवल उन साइटों के लिए साझा किए जाते हैं जिनका मूल्यांकन न्यूनतम गलत सूचना जोखिम के लिए किया जाता है। परिणामस्वरूप, रिपोर्ट में प्रकट की गई साइटों की संख्या देश के अनुसार अलग-अलग होगी।

ix जीडीआई इस प्रयास में पूरे तन्मयता के साथ काम करने के लिए तत्पर है। साइटों के इस तरह के जोखिम मूल्यांकन की मजबूत मांग है, और एक उल्लेखनीय चिंता है कि कम भरोसेमंद, कम स्वतंत्र अभिनेता इस अंतर को भरने की कोशिश कर सकते हैं।

x सीईएन-कार्यशाला समझौता, दिसंबर 2019, पर उपलब्ध https://jti-rsf.org/fileadmin/Redaktion/documents/CWA17493.pdf।

xi आंकड़े 2016 के निष्कर्षों और शीर्ष पर आधारित हैं भारत में उपयोग की जाने वाली आठ भाषाएँ।देखें: https://assets.kpmg/content/dam/kpmg/in/pdf/2017/04/Indian-languages-Defining-Indias-Internet.pdf।

xii देखे https://reutersinstitute.politics.ox.ac.uk/sites/default/files/2019-03/India_DNR_FINAL.pdf।

xiii 2017 के आंकड़ों के आधार पर और उम्र के बीच के लोगों के लिए 15 और 34 में से देखें: http://www.mospi.nic.in/sites/default/files/publication_reports/Youth_in_India-2017.pdf।

xiv 35 वर्ष से अधिक आयु के उत्तरदाताओं के लिए, निर्भरता ऑनलाइन समाचार, टीवी और प्रिंट मीडिया पर 38 प्रतिशत पर हैं, क्रमशः 34 प्रतिशत और 27 प्रतिशत। देखें: https://reutersinstitute.politics.ox.ac.uk/sites/default/files/2019-03/India_DNR_FINAL.pdf।

xv इन निष्कर्षों को इप्सोस द्वारा 2019 में 27 देशों के सर्वेक्षण के संदर्भ में प्रस्तुत किया गया था जिनमें कुल 19,541 उत्तरदाताओं, ने अपने सर्वेक्षण में डिजिटल समाचारों पर विश्वास और निर्भरता में एक सामान्य गिरावट दर्ज किया था। देखें: https://www.ipsos.com/sites/default/files/ct/news/documents/2019-06/global-advisor-trust-in-media-report-24jun2019.pdf।

xvi देखें: https://datareportal.com/reports/digital-2021-india#:~:text=There%20were%20624.0%20million%20internet,at%2045.0%25%20in%20January%202021।

xvii देखें: https://datareportal.com/reports/digital-2021-india#:~:text=There%20were%20624.0%20million%20internet,at%2045.0%25%20in%20January%202021।

xviii देखें: https://dentsu.in/uploads/digital_reports/DAN-e4m-Digital-Report-2020-Web-C3.pdf।

xix उदाहरण के लिए, देश में प्रिंट और टीवी आउटलेट से जुड़ी मीडिया वेबसाइटें सामग्री से संबंधित सूचकांकों पर डिजिटल समाचार साइटों की तुलना में बेहतर स्कोर करती हैं।

xx JTI के बारे में अधिक जानकारी के लिए, जिसने उद्योग के लिए ISO मानक अपनाया है, कृपया देखें: https://jti-rsf.org/en/।

xxi जीडीआई द्वारा उपयोग किया गया सूचित ऑनलाइन पाठक सैंपल यु गॉव. के 'उत्प्रेरक दर्शकों' पर आधारित है: एक ऐसा समूह जिसे इसके देश पैनल का शीर्ष 10 प्रतिशत माना जाता है, जो नागरिक समाज, व्यापार, राजनीति, मीडिया, तीसरे क्षेत्र से आए परिवर्तन-निर्माताओं से बना है।उन्हें उनकी हाल की गतिविधियों द्वारा परिभाषित किया गया है, जिसमें उद्यमशीलता, नेतृत्व और सक्रियता शामिल हैं। इस समूह के विशिष्ट सदस्यों में व्यवसाय और सामाजिक उद्यमी, संगठनात्मक नेता और राजनीतिक कार्यकर्ता शामिल हैं। भारत के लिए सर्वेक्षण में 720 उत्तरदाताओं को शामिल किया गया और यह
5 से 19 अक्टूबर 2020 के बीच आयोजित किया गया था।

xxii इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में सहसंबंध मैट्रिक्स देखें।

xxiii इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में सहसंबंध मैट्रिक्स देखें।

xxiv इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में सहसंबंध मैट्रिक्स देखें।

xxv देखें: https://disinformationindex.org/wp-content/uploads/2020/10/Georgia-Risk-Ratings-Report.pdf।

xxvi देखें: https://www.thakur-foundation.org/report-on-attacks-on-journalists-in-india-2014-2019.pdf; https://cpj.org/reports/2018/10/impunity-index-getting-away-with-murder-killed-justice-3/।

xxvii देखें: https://www.ipsos.com/sites/default/files/ct/news/documents/2019-06/global-advisor-trust-in-media-report-24jun2019.pdf।

xxviii देखें: https://www.economist.com/help/about-us।

xxix संचालन स्तंभ यह देखता है कि प्रासंगिक नीतियां लागू हैं या नहीं। यह अच्छे कार्यपद्धति के आधार पर नीति की मजबूती के स्तर का आकलन नहीं करता है, और यह नहीं देखता है कि नीतियों को कैसे लागू किया जा रहा है। हालांकि, ढांचे में अन्य सूचकांक कुछ प्रासंगिक कार्यपद्धतियों को पकड़ते हैं, जैसे कि साइट कितनी बार त्रुटियों को ठीक करती है या सटीक सामग्री प्रस्तुत करने के रूप में देखी जाती है, इस पर धारणाओं को मापकर।

xxx देखें: https://india.mom-rsf.org/en/findings/corporateownership/।

xxxi देखें: https://rsf.org/en/news/media-ownership-monitor-who-owns-media-india।

xxxii JTI के बारे में अधिक जानकारी के लिए, जिसने उद्योग के लिए ISO मानक अपनाया है, कृपया देखें: https://jti-rsf.org/en/।

xxxiii देखें: https://www.cen.eu/news/workshops/Pages/WS-2019-013.aspx।

xxxiv जीडीआई द्वारा उपयोग किया गया सूचित पाठक सैंपल YouGov के 'उत्प्रेरक दर्शकों' पर आधारित है: एक ऐसा समूह जिसे अपने देश के पैनल का शीर्ष 10 प्रतिशत माना जाता है, जो नागरिक समाज, व्यापार, राजनीति, मीडिया, अन्य क्षेत्र से आए परिवर्तन-निर्माताओं से बना है और अलग है। उन्हें उनकी हाल की गतिविधियों द्वारा परिभाषित किया गया है, जिसमें उद्यमशीलता, नेतृत्व और सक्रियता शामिल हैं। इस समूह के विशिष्ट सदस्यों में व्यवसाय और सामाजिक उद्यमी, संगठनात्मक नेता और राजनीतिक कार्यकर्ता शामिल हैं। भारत के लिए सर्वेक्षण में 720 उत्तरदाताओं को शामिल किया गया था और यह 5 से 19 अक्टूबर 2020 तक आयोजित किया गया है।

xxxv इस रिपोर्ट के परिशिष्ट में सहसंबंध मैट्रिक्स देखें।

Global
Disinformation
Index

www.disinformationindex.org